संवेदनशील बनें...दूसरों का सम्मान करें

▪ एक्सआईएसएस में अपमान से मुकाबला और प्रबंधन पर वार्ता आयोजित हुई

सिटी रिपोर्टर . रांची

एक्सआईएसएस में वार्ता में शामिल एक्सपर्ट।

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची, सेंटर ऑफ बिहेवियरल एंड कॉग्निटिव साइंसेज (सीबीसीएस) और केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआईपी) रांची की ओर से व्याख्यान श्रृंखला के तहत अपमान से मुकाबला और प्रबंधन विषय पर वार्ता आयोजित की गई। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि जाने-अनजाने हम सभी किसी न किसी तरह से दूसरों को अपमानित करने में लगे रहते हैं, हम दूसरों के प्रति संवेदनशील बनें। डॉ. अनंत कुमार ने कहा कि अपमान एक ऐसी चीज है जिसे हम दूसरों के साथ साझा नहीं करते हैं, लेकिन इस पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है। साइकोलॉजिस्ट सीआईपी डॉ. मधुमिता भट्टाचार्य ने कहा कि बच्चों के लिए यह समझना या महसूस करना भी मुश्किल होता है कि वह अपमानित हो रहा है।

PRESS- DAINIK BHASKAR

रांची

एक्सआईएसएस में व्याख्यान का आयोजन

हिन्दुस्तान टीम , रांची Published By: Newswrap

Last Modified: Sat, 18 Sep 2021 6:50 PM

रांची। प्रमुख संवाददाता

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची, सेंटर ऑफ बिहेवियरल एंड कॉग्निटिव साइंसेज (सी[illegible] सीआईपी की ओर से व्याख्यान शृंखला के अंत[illegible] मुकाबला और प्रबंधन विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि अपमान ज्यादातर समय विनाशकारी होता है। जाने-अनजाने हम सभी किसी न किसी तरह से दूसरों को अपमानित करने में लगे रहते हैं, यह आवश्यक है कि हम दूसरों के प्रति संवेदनशील बनें।

Read in App

PRESS- HINDUSTAN

XISS, CIP hold Talk on 'Coping & Managing Humiliation'

PNS ■ RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), Centre of Behavioural and Cognitive Sciences (CBCS) & Central Institute of Psychiatry (CIP), Ranchi together organized its first talk on topic 'Coping and Managing humiliation' in the Fr. Michael Van den Bogaert SJ Auditorium on Thursday.

Dr Joseph Marianus Kujur, Director appreciated the initiative and said, "Today is a historic moment as this is the first and one of its kind of the upcoming lecture series we will organize in collaboration with CBCS and CIP addressing important aspects like behavioural science, cognitive sciences, public mental health, community mental health counselling services among others. In his sharing, he said, "Humiliation most of the time is destructive. We all engage in humiliating others in one way or the other, whether knowingly or unknowingly and thus we should be aware of our statements in our day to day life."

The CBCS is an interdisciplinary centre that intends to promote new ideas, thoughts, and programmes. The centre intends to create and provide a space to academicians, researchers, and students to think, develop and come out with new ideas, thoughts, research, and programmes. The Centre promotes and facilitates interactions amongst scholars, Philosophers, Psychologists, Sociologists, Scientists, Historians, Artists, Industry Practitioners, and others.

Dr Anant Kumar, Head CBCS described the session as an informal talk and requested audiences to share their experiences. Enlightening on the topic, he stated, "Humiliation is something we don't share with others but it's important to discuss it as its not only limited to the professional places but we also take it home to our loved ones. That's why it is important to understand the consequences it will have on people."

XISS and CIP, Ranchi officials and experts during a talk on 'Coping & Managing Humiliation' in Ranchi on Friday Pioneer photo

Dr Madhumita Bhattacharya, Assistant professor of Clinical Psychology, CIP discussed a scenario where it was difficult for child to even understand or realize that he/she is getting humiliated. She stated that such incidents do not leave scars to be seen but the trauma remains in the mind for a long time. While suggesting corrective measures, she stated that strategies could be worked upon to de-stress like practicing prayers to increase concentrate, breathing exercises to calm down etc. She also declared mental health of being a silent pandemic.

Dr. Nishant Goyal, Associate Professor of Psychiatry, CIP focused on the perpetuator, the person who humiliates during the sharing session.

He said, "A person who humiliates has often found to be humiliated at some point in their life and this becomes a coping mechanism for them. To tackle humiliation we have to understand the person who humiliates."

Gradually our society is moving towards a righteous environment where we are more concerned of our rights and responsibility.

This righteousness is enhancing our capacity to be mindful and aware of being humiliated, he concluded. The talk was also attended by XISS faculty, staff and students.

PRESS- PNS RANCHI

दूसरों के प्रति संवेदनशील होना जरूरी : डॉ जोसेफ

रांची (आजाद सिपाही)। अपमान ज्यादातर समय विनाशकारी होता है। जाने-अनजाने हम सभी किसी न किसी तरह से दूसरों को अपमानित करने में लगे रहते हैं। पर अब हमें अपने दैनिक जीवन में अपने बयानों से अवगत होना होगा, यह आवश्यक है कि हम दूसरों के प्रति संवेदनशील बनें। ये बातें एक्सआइएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहीं। वे माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में आयोजित वार्ता कार्यक्रम में बोल रहे थे। सीबीसीएस प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने कहा कि अपमान एक ऐसी चीज है जिसे हम दूसरों के साथ साझा नहीं करते हैं,लेकिन इस पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है। सीआइपी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मधुमिता भट्टाचार्य ने एक ऐसे परिदृश्य पर चर्चा की जहां बच्चे के लिए यह समझना या महसूस करना भी मुश्किल था कि वह अपमानित हो रहा है। डॉ. निशांत गोयल ने भी अपनी बातें रखीं।

PRESS- AZAD SIPAHI

CIP training for cops to identify mentally-ill undertrial prisoners

Early diagnosis may prevent suicides

IN BRIEF

Cong chief to pick new team amid demands for overhaul

CBI quizzes sisters, mother of deceased lady officer Rupa Tirkey

ICAR-IIAB celebrates Poshan Vatika Maha Abhiyan

XISS, CIP hold Talk on 'Coping & Managing Humiliation'

Union Railway Minister launches RKVY under PMAKVY

Railway to provide entry level skill development course in 75 sites across country

Drive against Naxals to continue: DIG

Rising drug menace to be curbed

ESL felicitates employees for their exceptional achievement

BOKARO TOWNSHIP DRAINAGE SYSTEM REPAIR CONTINUES WITH PACE

PRESS- PIONEER

XISS, Ranchi opens centre to 'understand psychology'

Associated professor Anant Kumar said students would become better managers if they understand the psychology of the people they will deal with in the future

Xavier Institute of Social Service, Ranchi.
File picture

PRESS- TELEGRAPH

दूसरों के प्रति संवेदनशील बनें : डॉ मरियानुस

संवाददाता, रांची

- एक्सआइएसएस में 'अपमान से मुकाबला और प्रबंधन' विषय पर वार्ता
- जाने-अनजाने में हम सब दूसरों को अपमानित करने में लगे रहते हैं

एक्सआइएसएस, सेंटर ऑफ बिहेवियरल एंड कॉग्निटिव साइंसेज (सीबीसीएस) और केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान द्वारा 'अपमान से मुकाबला और प्रबंधन' विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम एक्सआइएसएस के फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में हुआ. एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है. क्योंकि, यह इस श्रृंखला का पहला कार्यक्रम है. इससे हम सीबीसीएस और सीआइपी के सहयोग से व्यवहार विज्ञान, संज्ञानात्मक विज्ञान, सार्वजनिक मानसिक स्वास्थ्य, सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श सेवाएं जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को संबोधित करेंगे. उन्होंने कहा कि अपमान ज्यादातर समय विनाशकारी

होता है. जाने-अनजाने में हम सभी किसी न किसी तरह से दूसरों को अपमानित करने में लगे रहते हैं. पर यह आवश्यक है कि हम दूसरों के प्रति संवेदनशील बनें.

सीबीसीएस को एक ऐसे केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो नये विचारों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का इरादा रखता है. सीबीसीएस के प्रमुख डॉ अनंत कुमार ने कहा कि अपमान एक ऐसी चीज है, जिसे हम दूसरों के साथ साझा नहीं करते, लेकिन इस पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है. क्योंकि, यह न केवल कार्यस्थल तक सीमित है, बल्कि हम इसे अपने प्रियजनों के घर भी ले जाते हैं.सीआइपी में क्लिनिकल साइकोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मधुमिता भट्टाचार्य ने एक ऐसे परिदृश्य पर चर्चा की जहां बच्चे के लिए यह समझना या महसूस करना भी मुश्किल था कि वह अपमानित हो रहा है. उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं में देखा गया है कि ये शरीर पर कोई निशान नहीं छोड़ती, लेकिन यह आघात लंबे समय तक दिमाग में बना रहता है. सुधारात्मक उपायों के बारे में उन्होंने कहा कि ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रार्थना करना, शांत होने के लिए गहरी सांस लेने के व्यायाम आदि सहायक हो सकते हैं. सीआइपी में मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ निशांत गोयल ने कहा कि अपमान करने वाला व्यक्ति अक्सर अपने जीवन में किसी न किसी समय पर अपमानित हुआ है और दूसरों के साथ ऐसा करना उनके लिए एक मुकाबला तंत्र बन जाता है. कार्यक्रम में एक्सआइएसएस फैकल्टी, कर्मचारी और छात्र शामिल हुए.

प्रभात खबर Sun, 19 September 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/63210776

PRESS-PRABHAT KHABAR

ज्यादातर समय विनाशकारी होता है अपमान, संवेदनशील बनें

एक्सआइएसएस रांची के सेंटर ऑफ बिहेवियरल एंड कॉग्निटिव साइंसेज (सीबीसीएस) और केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (सीआइपी) की ओर से 'अपमान से मुक़ाबला और प्रबंधन' विषयक कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे ऑडिटोरियम में किया गया।

Vikas Srivastava
Fri, 17 Sep 2021 08:10 PM (IST)

PRESS- DAINIK JAGRAN